Important Questions Class 8 Hindi Chapter 3 सिंधु घाटी की सभ्यता

प्रश्न 1. सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष कहाँ मिले हैं?

उत्तर: सिंधु घाटी सभ्यता के अवशेष सिंध में मोहनजोदड़ो और पश्चिमी पंजाब के हडप्पा में मिले हैं।

प्रश्न 2. सिंधु घाटी सभ्यता के बारे में क्या-क्या बातें पता चली हैं?

उत्तर: सिंधु घाटी की सभ्यता के बारे में निम्न बातें पता चली हैं-

- सिंधु घाटी सभ्यता अत्यंत विकसित सभ्यता थी।
- यह सभ्यता नगर-सभ्यता थी।
- यह सभ्यता सांस्कृतिक युगों की अग्रदूत थी।
- यह सभ्यता प्रधान रूप से धर्मनिरपेक्ष थी।
- इस सभ्यता में व्यापारी वर्ग धनाढ्य था।

प्रश्न 3. सिंधु सभ्यता ने किन सभ्यताओं से संबंध स्थापित किया?

उत्तर: सिंधु घाटी सभ्यता ने फारस, मेसोपोटामिया और मिस्र की सभ्यताओं से संबंध स्थापित किया और व्यापार किया।

प्रश्न 4. सिंधु नदी किसके लिए प्रसिद्ध है?

उत्तर: सिंधु नदी अपनी भयंकर बाढों के लिए प्रसिद्ध है।

प्रश्न 5. इस सभ्यता में मिले मकान कैसे हैं?

उत्तर: इस सभ्यता में मिले मकान दो या तीन मंजिले हैं।

प्रश्न 6. ऋग्वेद का रचनाकाल कब माना जाता है?

उत्तर: अधिकांश विद्वान ऋग्वेद का रचनाकाल ईसा पूर्व 1500 मानते हैं।

प्रश्न 7. मैक्समूलर ने ऋग्वेद के बारे में क्या कहा है?

उत्तर: मैक्समूलर ने इसे आर्य मानव द्वारा कहा गया पहला शब्द कहा है।

प्रश्न 8. 'वेद' शब्द की उत्पत्ति किस धातु से हुई है? इसका क्या अर्थ है?

उत्तर: 'वेद' शब्द की उत्पत्ति 'विद्' धातु से हुई है। इसका अर्थ है-जानना। अत: वेद का सीधा अर्थ है-अपने समय के ज्ञान को जानना।

प्रश्न 9. भारतीय संस्कृति में कौन-सी प्रवृत्ति आरंभ दिखाई देती है?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: भारतीय संस्कृति में विशिष्टतावाद और छुआछूत की प्रवृत्ति का आरंभ दिखाई देता है।

प्रश्न 10. उपनिषदों का समय कौन-सा माना जाता है?

उत्तर: उपनिषदों का समय ई.पू. 800 के आस-पास माना जाता है। ये हमें भारतीय आर्यों के चिंतन में एक कदम और आगे ले जाते हैं।

प्रश्न 11. आर्यों का प्रवेश कब माना जाता है?

उत्तर: आर्यों का प्रवेश सिंधु घाटी सभ्यता युग के लगभग एक हजार वर्ष बाद माना जाता है।

प्रश्न 12. उपनिषदों की प्रमुख विशेषता क्या है?

उत्तर: उपनिषदों की प्रमुख विशेषता सच्चाई पर बल देना है। इनमें प्रकाश और ज्ञान की कामना की गई है। असत् से सत् की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर तथा मृत्यु से अमरत्व की ओर ले जाने की प्रार्थना की गई है।

प्रश्न 13. उपनिषदों का झुकाव किस ओर था?

उत्तर: उपनिषदों का झुकाव अद्वैतवाद की ओर था।

प्रश्न 14. उपनिषदों में किस बात पर जोर दिया गया है?

उत्तर: उपनिषदों में इस बात पर जोर दिया गया है कि कारगर रूप से प्रगति के लिए शरीर का स्वरूप होना, मन का स्वस्थ होना तथा तन-मन का अनुशासन में होना आवश्यक है। ज्ञानार्जन के लिए संयम, आत्म-पीड़न और आत्म-त्याग जरूरी है।

प्रश्न 15. व्यक्तिवाद का क्या परिणाम हुआ?

उत्तर: व्यक्तिवाद का यह परिणाम हुआ कि मनुष्य ने सामाजिक पक्ष पर समाज के प्रति उसके कर्तव्यों पर कम ध्यान दिया। भौतिकवादियों ने विचार, धर्म और ब्रह्म विज्ञान के अधिकारियों और स्वार्थ से प्रेरित विचारों का विरोध किया।

प्रश्न 16. अधिकांश पुराकथाएँ कैसी हैं?

उत्तर: अधिकांश पुराकथाएँ और प्रचलित कहानियाँ वीरगाथात्मक हैं। इनमें सत्य पर अड़े रहने और वचन पालन का उपदेश दिया गया है। चाहे परिणाम कुछ भी हो, इनमें जीवन पर्यन्त और मरणोपरांत भी वफादारी, साहस और लोकहित के लिए सदाचार और बलिदानी शिक्षा दी गई है।

प्रश्न 17. भौतिकवाद पर लिखा साहित्य किसने नष्ट कर दिया?

उत्तर: भारत के भौतिकवादी साहित्य को पुरोहितों और धर्म के पुरातनपंथी स्वरूप में विश्वास करने वालों ने नष्ट कर दिया।

प्रश्न 18. लेखक ने राजतरंगिनी के बारे में क्या लिखा है?

उत्तर: लेखक ने राजतरंगिनी के बारे में लिखा है कि यह कहूण द्वारा लिखित एकमात्र प्राचीन इतिहास ग्रंथ है।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 19. महाभारत के बारे में क्या कहा गया है?

उत्तर: महाभारत का दर्जा विश्व की श्रेष्ठतम रचनाओं में है। यह कृति परंपरा और दंत-कथाओं तथा प्राचीन भारत की राजनीतिक और सामाजिक संस्थाओं का विश्वकोष है।

प्रश्न 20. भगवद्गीता में क्या बताया गया है?

उत्तर: भगवद्गीता में महाभारत का अंश है, परंतु वह अपने आप में एक पूर्ण रचना है। यह 700 श्लोकों का एक छोटा काव्य है जिसकी रचना बौद्धकाल से पहले हुई थी। इसका आकर्षण आज तक बना हुआ है। इस पुस्तक में संकटग्रस्त व्यक्ति को कर्म करने की प्रेरणा दी गई है।

प्रश्न 21. भगवद्गीता का सारांश क्या है?

उत्तर: गीता में महाभारत युद्ध में अर्जुन और श्रीकृष्ण का संवाद है। अर्जुन परेशान थे। अपने मित्रों और परिचितों के भावी नर-संहार पर उनकी आत्मा ने विद्रोह कर दिया। अर्जुन इंसान की उस पीड़ित आत्मा का प्रतीक बन जाता है जो युग-युग से कर्तव्यों और नैतिकता के तकाजों से ग्रस्त होता है। गीता में ज्ञान, कर्म और भक्ति के बीच समन्वय करने का प्रयास किया गया है। गीता की दृष्टि सार्वभौमिक है।

प्रश्न 22. प्राचीन भारत में ग्राम सभाओं का क्या स्वरूप था?

उत्तर: प्राचीन भारत में ग्राम सभाएँ एक सीमा तक स्वतंत्र थीं। उनकी आमदनी का मुख्य स्रोत लगान था। इसका भुगतान प्रायः गल्ले या पैदावार की शक्ल में किया जाता था।

प्रश्न 23. भारत में लिखने की प्रथा के बारे में क्या पता चलता है?

उत्तर: भारत में लिखने की प्रथा, बहुत पुरानी है। पाषाण युग के मिट्टी के पुराने बर्तनों पर ब्राह्मी लिपि के अक्षर मिले हैं। इसी लिपि से भारत की देवनागरी तथा अन्य लिपियों का विकास हुआ है। अशोक के कुछ लेख ब्राह्मी लिपि में हैं। उत्तर-पश्चिम में कुछ लेख खरोष्ठी लिपि में हैं।

प्रश्न 24. पाणिनि ने कब, किस ग्रंथ की रचना की?

उत्तर: पाणिनि ने ईसा पूर्व छठी या सातवीं शताब्दी में संस्कृत भाषा में अपनी प्रसिद्ध पुस्तक 'व्याकरण' की रचना की। तब तक संस्कृत का रूप स्थिर हो चुका था।

प्रश्न 25. औषध विज्ञान की कौन-सी पुस्तकों की रचना की गई?

उत्तर: औषध पर चरक की पुस्तकें हैं और शल्य चिकित्सा पर सुश्रुत ने पुस्तकें लिखी हैं। इसमें अनेक बीमारियों की पहचान तथा इलाज के तरीके बताए गए हैं। सुश्रुत ने अपनी पुस्तक में शल्यक्रिया के औजारों और विधियों का उल्लेख विस्तारपूर्वक किया है।

प्रश्न 26. वनों में स्थिर विश्वविद्यालयों के बारे में क्या बताया गया है?

उत्तर: अक्सर वनों में विश्वविद्यालयों की स्थापना की जाती थी। इनमें शिक्षण- प्रशिक्षण पाने के लिए दूर-दूर से लोग आते थे। यहाँ विद्यार्थियों को संयम और ब्रह्मचर्य का जीवन जीना होता था। यहाँ से प्रशिक्षण प्राप्त करके विद्यार्थी गृहस्थ जीवन में लौट जाते थे।

https://www.evidyarthi.in/

प्रश्न 27. तक्षशिला विश्वविद्यालय के बारे में क्या बताया गया है?

उत्तर: पेशावर के पास तक्षशिला नामक प्रसिद्ध विश्वविद्यालय था। यह विश्व- विद्यालय विज्ञान, चिकित्साशास्त्र, कलाओं के लिए मशहूर था। इसमें भारत के दूर-दूर के हिस्सों से लोग शिक्षा प्राप्त करने के लिए आते थे। तक्षशिला का स्नातक होना सम्मान और विशेष योग्यता की बात समझी जाती थी। बौद्धकाल में यह बौद्धज्ञान का केंद्र बन गया था।

प्रश्न 28. जैन और बौद्ध धर्म में क्या समानता थी?

उत्तर:

- दोनों वैदिक धर्म से कटकर अलग हुए थे।
- दोनों ने वेदों को प्रमाण नहीं माना था।
- दोनों अहिंसा पर बल देते थे।
- दोनों ने भिक्षुओं के संघ बनाए।

प्रश्न 29. बुद्ध में क्या विशेषता थी?

उत्तर: बुद्ध में लोक-प्रचलित धर्म, अंधविश्वास, कर्मकांड और पुरोहित प्रपंच पर हमला करने का साहस था। उन्होंने चमत्कारों की भी निंदा की। उनका आग्रह तर्क, विवेक और अनुभव पर था। उनका बल नैतिकता पर था। उनकी पद्धति मनोवैज्ञानिक विश्लेषण की थी। उन्होंने वर्ण-व्यवस्था पर सीधा वार तो नहीं किया, पर अपनी संघ व्यवस्था में इसे कोई स्थान नहीं दिया।

प्रश्न 30. बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ क्या थीं?

उत्तर: महात्मा बुद्ध की प्रमुख शिक्षाएँ निम्न थीं-

- संसार में घृणा का अंत घृणा से न होकर प्रेम से होता था।
- मनुष्य को अपने क्रोध पर दया से तथा बुराई पर भलाई से काबू पाना चाहिए।
- मनुष्य की जाति जन्म से नहीं बल्कि कर्म से तय होती है।
- सभी देशों में जाओ और बुद्ध धर्म का प्रचार करो।

प्रश्न 31. सिकंदर के आक्रमण से कौन-से विलक्षण व्यक्ति सामने आए?

उत्तर: सिकंदर के आक्रमण से चंद्रगुप्त मौर्य और चाणक्य जैसे दो विलक्षण व्यक्ति सामने आए।

प्रश्न 32. चंद्रगुप्त और चाणक्य ने मिलकर क्या किया?

उत्तर: चंद्रगुप्त और चाणक्य ने मिलकर राष्ट्रीयता का नारा बुलंद किया। युनानी सेना को खदेड़कर तक्षशिला पर अधिकार कर लिया। सिकंदर की मृत्यु के दो वर्ष बाद पाटलिपुत्र पर अधिकार कर मौर्य साम्राज्य की स्थापना की।

चाणक्य ने 'अर्थशास्त्र' लिखा। इसमें राजनीतिशास्त्र की बातें बताई गई हैं।

प्रश्न 33. चाणक्य कैसा व्यक्ति था?

https://www.evidyarthi.in/

उत्तर: चाणक्य चंद्रगुप्त का मंत्री था। वह बहुत तीव्र बुद्धि वाला था। उसी का दूसरा नाम 'कौटिल्य' है। वह सम्राट को स्वामी की तरह नहीं बल्कि प्रिय शिष्य की तरह देखता है। वह उद्देश्य को पाने में सफल होता है। चंद्रगुप्त की सफलता चाणक्य के बुद्धि चातुर्य का परिणाम है।

प्रश्न 34. अर्थशास्त्र में किन विषयों पर प्रकाश डाला गया है?

उत्तर: अर्थशास्त्र में व्यापार, वाणिज्य, कानून, न्यायालय, नगर-व्यवस्था, सामाजिक रीति-रिवाज, विवाह, तलाक, स्त्रियों के अधिकार, कृषि, लगान, खानों, कारखानों, दस्तकारियों, उद्योग-धंधों, मत्स्य उद्योग, जनगणना, जेल आदि विषयों पर प्रकाश डाला गया है।

प्रश्न 35. पुस्तक में अशोक के बारे में क्या बताया गया है?

उत्तर: अशोक 273 ई.पू. मौर्य साम्राज्य का उत्तराधिकारी बना। उसने पूर्वी तट के लिंग प्रदेश पर आक्रमण करके उसे जीत लिया। परंतु इसके भयंकर नरसंहार ने अशोक का हृदय-परिवर्तन कर दिया। उस पर बौद्ध धर्म का प्रभाव पड़ गया। उसने दूर देशों में बौद्ध धर्म का प्रचार किया। वह एक निर्माता भी था। उसने अनेक बड़ी इमारतों का निर्माण भी करवाया। 41 वर्षों तक शासन करने के उपरांत 232 ई.पू. में अशोक की मृत्यु हो गई। उसका नाम आज भी आदर के साथ लिया जाता है।

https://www.evidyarthi.in/